

कैलफ़ोर्नियम

स्रोत : इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में बिहार के गोपालगंज में पुलिस ने 50 ग्राम अत्यधिक रेडियोधर्मी धातु कैलफ़ोर्नियम ज़ब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 850 करोड़ रुपए है।

- कैलफ़ोर्नियम एक चांदी जैसी सफेद धातु है, जो कमरे के तापमान पर वायु के संपर्क में आने पर धीरे-धीरे फीकी पड़ जाती है।
- यह इतनी नरम और लचीली होती है कि इसे रेज़र ब्लेड से काटा जा सकता है और इसकी वर्णक्रमीय रेखाओं की पहचान सुपरनोवा में की गई है।
- कैलफ़ोर्नियम का रासायनिक संकेत 'Cf' और परमाणु क्रमांक 98 है।
- वर्ष 1950 में बर्कले में निर्मित यह एक शक्तिशाली न्यूट्रॉन उत्सर्जक है।
- इसका उपयोग पोर्टेबल मेटल डिटेक्टरों में सोने और चाँदी के अयस्कों की पहचान करने, कुओं में जल और तेल की परतों का पता लगाने तथा हवाई जहाज़ों में धातु की तन्यता का पता लगाने के लिये किया जाता है।
- जब विकिरण चकित्सा निरर्थक हो जाती है तब कैलफ़ोर्नियम (Cf-252) से उत्सर्जित न्यूट्रॉन का उपयोग मसूतषिक और गर्भाशय-ग्रीवा के कैंसर के उपचार के लिये किया जाता है।
- अत्यधिक रेडियोधर्मी और अत्यंत महँगी होने के कारण कैलफ़ोर्नियम की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में लगभग 17 करोड़ रुपए प्रतिग्राम है (जो विश्व के सबसे महँगे पदार्थों में से एक है)।

और पढ़ें: [यूरेनियम की अवैध बिक्री](#)